Chapter 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अभ्यास प्रश्न (पाठ्यपुस्तक से)

प्र0 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए ।

(i) दो देशों के मध्य व्यापार कहलाता है।

(क) अंतर्देशीय व्यापार

(ख) बाह्य व्यापार

(ग) अंतरराष्ट्रीय व्यापार

(घ) स्थानीय व्यापार

उत्तरः (i) (ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा एक स्थलबद्ध पोताश्रय है?

(क) विशाखापट्टनम

(ख) मुंबई

(ग) एन्नोर

(घ) हल्दिया

उत्तरः (ii) (क) विशाखापट्टनम

(iii) भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार वहन होता है

(क) स्थल और समुद्री द्वारा

(ख) स्थल और वायु द्वारा

(ग) समुद्र और वायु द्वारा

(घ) समुद्र द्वारा

उत्तरः (iii) (ग) समुद्र और वायु द्वारा

(iv) वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित में से कौन-सा भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था

(क) यू०ए०ई०

(ख) चीन

(ग) जर्मनी

(घ) स०रा० अमेरिका

उत्तरः (iv) (घ) स० रा० अमेरिका

प्र0 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए

उत्तरः भारत का विदेश व्यापार सदा ही प्रतिकूल रहा है अर्थात् आयात का मूल्य निर्यात के मूल्य से सदा ही अधिक रहा है। विश्व के लगभग सभी देशों के साथ भारत के व्यापारिक सम्बन्ध हैं। वस्त्र, अयस्क व खनिज, हीरे-आभूषण तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ भारत के मुख्य निर्यात हैं, जबकि पेट्रोलियम हमारे देश का सबसे बड़ा आयात है।

(ii) पत्तने और पोताश्रय में अंतर बताइए।

उत्तर: पत्तन-गोदी, घाट एवं सामान उतारने की सुविधाओं सहित तट पर ऐसा स्थान होता है जहाँ पर समुद्र-मार्ग से आने वाले माल को उतारकर स्थल मार्ग द्वारा आन्तरिक भागों को भेजा जाता है। साथ ही आन्तरिक भागों में आए माल को समुद्र मार्ग द्वारा विदेशों को भेजा जाता है।

पोताश्रय-यह समुद्र का वह अंशत: परिषद् क्षेत्र है; जैसे–निवेशिका, नदमुख अथवा समुद्र-अन्तर्गम आदि, जो आने वाले जहाजों को आश्रय देता है।

(iii) पृष्ठ प्रदेश का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर: बन्दरगाह का संलग्न क्षेत्र जो इसकी सेवा करता है तथा इससे सेवा प्राप्त करता है, बन्दरगाह का पृष्ठप्रदेश' कहलाता है।

(iv) उन महत्त्वपूर्ण मदों के नाम बताइए जिन्हें भारत विभिन्न देशों से आयात करता है?

उत्तर: भारत मुख्यत: पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम पदार्थों का आयात करता है। इसके अलावा मशीनों व उपकरणों, उर्वरकों, विशेष किस्म का इस्पात, खाद्य तेल तथा रसायन बड़ी मात्रा में आयात किए जाते हैं।

(v) भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तनों के नाम बताइए।

उत्तर: भारत के पूर्वी तट पर स्थित पत्तन हैं-कोलकाता, हल्दिया, पाराद्वीप, विशाखापत्तनम, चेन्नई, एन्नोर तथा तूतीकोरिन।

प्र0 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

(i) भारत में निर्यात और आयात व्यापार के संयोजन का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत का विदेशी व्यापार विशाल, विविध, और गहरा है। भारतीय निर्यात और आयात व्यापार के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अनेक प्रमुख वस्तुएं शामिल हैं। भारत से निर्यात की जाने वाली कुछ प्रमुख वस्तुएं हैं - कृषि और समवर्गीय उत्पाद, खनिज, विनिर्मित वस्त्र, गहने, इंजीनियरिंग सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक्स, चमड़े से बनी वस्त्र, और पेट्रोलियम उत्पाद। वहीं, प्रमुख आयातित वस्तुओं में पेट्रोलियम, मशीनरी, स्वर्ण, चाँदी, रासायनिक उत्पाद, मोती, रत्न, और अन्य वस्त्र उत्पाद शामिल हैं।

भारत का विदेशी व्यापार सन्तुलित नहीं है, क्योंकि आयात और निर्यात में अंतर है। 2004-05 के आंकड़ों के अनुसार, भारत का आयात मूल्य 4810.5 अरब रुपये था, जबकि निर्यात मूल्य 3560.5 अरब रुपये था। इससे देश का भुगतान संतुलन बिल्कुल भी सुखद नहीं है। इसे संशोधित करने के लिए सरकार ने कई नीतियाँ और उपाय अपनाए हैं।

(ii) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर: समय के साथ-साथ भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रकृति में भी उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इसमें सन्देह नहीं है कि भारत के निर्यात मूल्य व आयात मूल्य में सन् **1950-51** के बाद से सतत् रूप से वृद्धि होती जा रही है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इस तीव्रता के प्रमुख कारणों में विनिर्माण के क्षेत्र में सतत् वृद्धि**,** सरकार की उदार नीतियाँ तथा बाजारों की विविधता सम्मिलित हैं।

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रकृति का अध्ययन निम्नलिखित दो वर्गों के रूप में किया जा सकता है।

भारत के निर्यात: संघटन के बदलते प्रारूप।

भारत के आयात: संघटन के बदलते प्रारूप।

(1) भारत के निर्यात: संघटन का बदलता प्रारूप - सन् **2009 - 10** से **2016-17** के बीच भारत के निर्यात संघटन में निम्नलिखित बदलाव अनुभव किये गये।

- भारत के कुल निर्यात मूल्य में पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद का प्रतिशत **16.2** से घटकर **11.7** हो गया। इसका प्रमुख कारण पेट्रोलियम तथा अपरिष्कृत उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि होना रहा है।
- भारत के कुल निर्यात मूल्य में अयस्क एवं खनिजों का प्रतिशत **4.9** से घटकर **1.9** हो गया।
- भारत के कुल निर्यात मूल्य में अन्य वस्तुओं का प्रतिशत **1.5** से घटकर **0.5** हो गया।
- दूसरी ओर भारत के कुल निर्यात मूल्य में कृषि एवं समवर्गी उत्पादों का प्रतिशत योगदान **10.0** से बढ़कर **12.3** प्रतिशत हो गया जिसका प्रमुख कारण उक्त उत्पादों के निर्यात में आयी वृद्धि रही है।
- यद्यपि भारत के कुल निर्यात मूल्य में उक्त अवधि में विनिर्मित वस्तुओं का प्रतिशत **67.4** से **73.6** हो गया।

  (2) भारत के आयात: संघटन का बदलता प्रारूप - सन **2009-10** से **2016-17** के मध्य भारत के आयात संघटन में निम्नलिखित बदलाव अनुभव किये गये।
- भारत के कुल आयात मूल्य में पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद तथा अन्य उत्पाद वर्ग का प्रतिशत **33.2** से घटकर **26.7** हो गया। पेट्रोलियम व इसके उत्पादों के आयात में होने वाली इस कमी का कारण भारत में बढ़ता

औद्योगीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य में हुई वृद्धि है।

- भारत के कुल आयात मूल्य में पूँजीगत सामान का प्रतिशत **15.0** से घटकर **13.6** तथा रसायन तथा सम्बन्धित उत्पादों का प्रतिशत **2.3** से घंटकर **1.3** रह गया।
- भारत के कुल आयात संगठन में खाद्य व सम्बन्धी वस्तुओं का अंश **3.7** की तुलना में बढ़कर **5.6** प्रतिशत हो गया है।

सन् **1970** के दशक के बाद हरित क्रान्ति में सफलता मिलने के कारण भारत में खाद्यान्नों का आयात रोक दिया गया तथा खाद्यान्नों के आयात का स्थान पेट्रोलियम व उर्वरकों ने ले लिया।